

## Surakshit Jayen Prashikshit Jayen

With the rise of fraudulent and illegal migration, Ministry of External Affairs has been making constant efforts to educate migrants about the perils of illegal channels. Illegal migrants may be forced to live a wretched existence in the target country through illegal channels because they will be unable to legitimately enroll in any assistance or protection systems introduced by GOI. Instead, they will be subjected to harsh, insecure, and unpleasant living situations, as well as a significant danger of being exploited by unlawful employers who may force them to accept flexible work schedules at low rates and in hazardous working conditions. As a result, international migration has become centered on the necessity for both safe and trained migration.

Given our robust demographic dividend and rapidly changing global economic world order, Ministry of External Affairs has also been working on various activities such as aligning eMigrate portals with other Ministries in India as well as Governments of host countries for skilling and mapping overseas opportunities and promoting legal migration to boost the Indian workforce's sustainable employment ecosystem and entrepreneurship opportunities. The Ministry has also been coordinating with a number of State governments and stakeholders to disseminate information on the Indian Diaspora and overseas employment opportunities.

With an aim of promoting safe and legal migration as well as overseas career prospects, the Ministry of External Affairs (MEA) has launched the 'Surakshit Jayen Prashikshit Jayen- Go Safe, Go Trained' campaign to raise awareness and facilitate safe and legal migration. The goal of this campaign

is to raise public awareness about the importance of using safe and legal channels while travelling for job so that well-informed migrants will be able to seamlessly integrate and have a safe and productive stay abroad. This motto has earlier been widely publicized through awareness generation workshops and Pre-Departure Orientation & Training (PDOT) imparted to the prospective migrants.

To give a further impetus on visibility of Ministry's unique campaign, a Postal Stamp with a tagline on *Surakshit Jayen Prashikshit Jayen* is being released on the occasion of the 17th PBD Convention at Indore, Madhya Pradesh on 8-10 January 2023 to maximize the visibility among the prospective migrants. It is anticipated that the Stamp release will generate much needed awareness for promoting safe and legal migration and overseas employment opportunities.

Department of Posts is pleased to issue a Commemorative Postage Stamp on '*Surakshit Jayen Prashikshit Jayen - Go Safe and Go Trained*' to further intensify the campaign of the Ministry of External Affairs on Safe and Legal Migration.

### Credits:

Stamps/FDC/Brochure/ : Mrs. Nenu Gupta

Cancellation Cachet

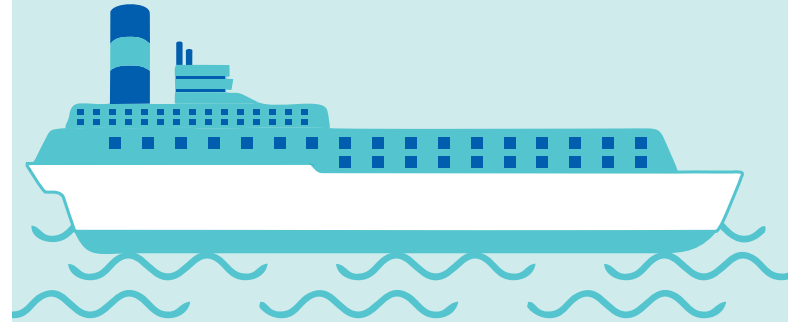
Text : Referenced from content provided by Ministry of External Affairs



डाक विभाग  
Department of Posts



सुरक्षित जाएं प्रशिक्षित जाएं  
SURAKSHIT JAYEN PRASHIKSHIT JAYEN



विवरणिका BROCHURE

## सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं

विदेश मंत्रालय इस दिशा में निरंतर प्रयास कर रहा है कि प्रवास के लिए इच्छुक भारतीयों को प्रवास के अवैध माध्यमों के कारण होने वाली कठिनाइयों के बारे में जागरूक किया जाए। अवैध प्रवासियों को उनके प्रवास के देश में दयनीय स्थिति में जीवन जीने को मजबूर होना पड़ सकता है क्योंकि वे भारत सरकार द्वारा प्रदान कराई जाने वाली किसी भी प्रकार की सहायता अथवा संरक्षण तंत्र का लाभ नहीं उठा सकते। इसके अलावा, उन्हें कठोर, असुरक्षित और अप्रिय परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करने के साथ-साथ गैर-कानूनी नियोक्ता के द्वारा शोषण का सामना भी करना पड़ सकता है, जोकि उन्हें कम दर पर और जोखिमपूर्ण कामकाजी परिस्थितियों में फ्लेक्सिबल वर्किंग शेड्यूल स्वीकार करने के लिए मजबूर कर सकता है। इन्हीं सब परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए अंतरराष्ट्रीय प्रवास के लिए सुरक्षित एवं प्रशिक्षित प्रवास की आवश्यकता पर बल देना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

हमारी सुदृढ़ जनसांख्यिकीय लाभांश और विश्वभर में तेजी से बढ़ती वैश्विक अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए विदेश मंत्रालय द्वारा अनेक नए कार्यक्रम प्रारंभ किए गए हैं, जैसे ई-माइग्रेट पोर्टल को देश के अन्य मंत्रालयों के साथ-साथ मेजबान देशों की सरकारों (सरकारी एजेंसियों) के साथ संबद्ध किया गया है, ताकि विदेशों में कुशल कार्मिकों की आवश्यकताओं का पता लगाकर, भारतीय कार्यबल के लिए दीर्घकालिक रोजगार तंत्र और व्यवसाय के अवसर प्रदान करते हुए वैध प्रवास का प्रचार-प्रसार किया जा सके।

विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सुरक्षित और वैध प्रवास के साथ-साथ विदेशों में रोजगार की संभावना का प्रचार-प्रसार करने के उद्देश्य से 'सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं - गो सेफ, गो ट्रेन्ड' अभियान की शुरुआत की है, ताकि लोगों में इस बारे में जागरूकता लाई जा सके और सुरक्षित एवं वैध प्रवास का प्रसार हो। इस अभियान का उद्देश्य सुरक्षित एवं वैध माध्यमों के

बारे में जागरूकता बढ़ाना है ताकि प्रवासी बिना किसी कठिनाई के वहां जाकर रह सकें और सुरक्षित रहें एवं सार्थक समय व्यतीत करें। विदेश मंत्रालय के इस आदर्श वाक्य का, पूर्व में विभिन्न कार्यशालाओं के आयोजन तथा भावी प्रवासियों को 'प्री-डिपार्चर ओरिएंटेशन एंड ट्रेनिंग' (पीडीओटी) प्रदान करने के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया गया है।

विदेश मंत्रालय के इस अनूठे अभियान के प्रचार-प्रसार को और अधिक बल देने के उद्देश्य से 08-10 जनवरी, 2023 के दौरान इंदौर, मध्य प्रदेश में आयोजित किए जा रहे 17वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के अवसर पर 'सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं', टैगलाइन के साथ एक डाक-टिकट जारी किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भावी प्रवासियों में सुरक्षित एवं वैध प्रवास के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार करना है। आशा है कि यह डाक-टिकट सुरक्षित एवं वैध प्रवास के प्रचार-प्रसार तथा विदेशों में रोजगार की संभावनाओं के बारे में अपेक्षित जागरूकता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुरक्षित एवं वैध प्रवास हेतु विदेश मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान को और प्रबल करने के उद्देश्य से डाक विभाग, 'सुरक्षित जाएं, प्रशिक्षित जाएं' विषय पर स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

### आभार:

डाक-टिकट/प्रथम दिवस आवरण/: श्रीमती नीनू गुप्ता  
विवरणिका/विरूपण कैशे

पाठ : विदेश मंत्रालय द्वारा  
प्रदान की गई सामग्री से  
संदर्भित

## तकनीकी आंकड़े TECHNICAL DATA

मूल्य	: 500 पैसे
Denomination	: 500 p
मुद्रित डाक-टिकटें	: 266600
Stamps Printed	: 266600
मुद्रण प्रक्रिया	: वेट ऑफसेट
Printing Process	: Wet Offset
मुद्रक	: प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	: Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at [http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY\\_3D.html](http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html)

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास हैं।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamp, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00